भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

**राज्य सभा**
**अतारांकित प्रश्न सं. 4160**
30.03.2026 को उत्तर देने के लिए

सांख्यिकीय प्रणालियों में डिजिटल अंतःक्षेप और दक्षता

4160 श्री एस. सेल्वागनबेथीः
श्री लहर सिंह सिरोयाः
डा. मेधा विश्राम कुलकर्णी:

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) की प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने के लिए हाल ही में शुरू की गई विशिष्ट तकनीकी पहलें कौन-सी हैं;

(ख) डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म अपनाने से आंकड़ा संग्रहण और सर्वेक्षण परिणामों को अंतिम रूप से जारी किए जाने के बीच के समय अंतराल पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ा है;

(ग) क्या सरकार ने आंकड़े उपयोगकर्ताओं को आगामी रिपोर्टों और प्रकाशनों के लिए एक अनुमानित समय-सारिणी उपलब्ध कराने हेतु कोई औपचारिक तंत्र स्थापित किया है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार को कब तक आधिकारिक सांख्यिकीय डेटासेट के साथ संवाद करने में जनता की सहायता हेतु एआई-सक्षम उपकरणों को पूरी तरह से लागू करने की उम्मीद है?

**उत्तर**

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); योजना मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संस्कृति मंत्रालय के राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)

(क): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) के आधुनिकीकरण हेतु वर्तमान वर्षों में कई प्रौद्योगिकीय पहलें की हैं। एनएसएस सर्वेक्षणों में प्राथमिक डेटा संग्रहण कंप्यूटर सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (सीएपीआई) और वेब-आधारित एप्लीकेशन का उपयोग करके डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से किया जाता है, जिसमें संग्रहण के चरण में डेटा की स्थिरता सुनिश्चित करने हेतु अंतर्निहित सत्यापन तंत्र होते हैं। ये प्रणालियाँ सर्वेक्षण डेटा को वास्तविक समय में प्रस्तुत करने और सत्यापन करने में सुविधा प्रदान करती हैं तथा सर्वेक्षण परिणामों के प्रसंस्करण

और प्रसार हेतु आवश्यक समय को कम करने में मदद करती हैं। डेटा संकलन में आसानी हेतु डिजिटल प्लेटफॉर्म द्विभाषी (हिंदी/अंग्रेजी) इंटरफेस प्रदान करते हैं। निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र की पूंजीगत व्यय निवेश इरादों पर अग्रगामी सर्वेक्षण (कैपेक्स), वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (एएसआई) और अनिगमित क्षेत्र के उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण (एएसयूएसई) जैसे कुछ सर्वेक्षणों में, डेटा संग्रहण के दौरान उत्तरदाताओं तथा क्षेत्र अधिकारियों को प्रश्नों के समाधान में सहायता करने हेतु सीएपीआई/वेब पोर्टल में चैटबॉट-आधारित सुविधाओं को भी शामिल किया गया है। एकत्रित डेटा की विभिन्न स्तरों पर पर्यवेक्षी अधिकारियों द्वारा आगे जांच की जाती है और सर्वेक्षण प्रक्रिया की निगरानी डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से की जाती है।

(ख): पूर्व कागज-आधारित डेटा संग्रहण प्रणाली के तहत, भरी हुई अनुसूची को भौतिक रूप से ले जाना पड़ता था और बाद में प्रसंस्करण से पहले डिजिटाइज़ करना पड़ता था, जिससे कुल प्रसंस्करण समय में समय लगता था। डिजिटल डेटा संग्रहण प्लेटफार्मों को अपनाना सर्वेक्षण डेटा को लगभग वास्तविक-समय प्रस्तुतिकरण और सत्यापन करने में सक्षम बनाता है, जिससे डेटा प्रसंस्करण और विश्लेषण सुव्यवस्थित हो जाता है। परिणामस्वरूप, एनएसएस सर्वेक्षणों की वार्षिक रिपोर्टों के प्रकाशन में लगने वाला समय अंतराल, क्षेत्र कार्य पूरा होने से लगभग आठ महीने पहले से घटकर लगभग तीन महीने तक हो गया है। इसके अतिरिक्त, जहां भी लागू हो, एनएसएस सर्वेक्षणों की मासिक और तिमाही रिपोर्टें संबंधित सर्वेक्षण अवधि की समाप्ति के बाद क्रमशः 15 और 40 दिनों के भीतर जारी की जाती हैं।

(ग) और (घ): सां. और कार्य. कार्यां. मंत्रा. अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक अग्रिम प्रकाशन कैलेंडर (एआरसी) प्रकाशित करता है, जिसमें राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के तहत किए गए सर्वेक्षणों पर आधारित प्रमुख सांख्यिकीय रिपोर्टों और प्रकाशनों के प्रकाशन की संभावित समय सारणी बताई जाती है। एआरसी उपयोगकर्ताओं को विभिन्न रिपोर्टों के जारी होने की संभावित तिथियों से संबंधित अग्रिम सूचना प्रदान करता है।

(ङ): सां. और कार्य. कार्यां. मंत्रा. हितधारकों के लिए सां. और कार्य. कार्यां. मंत्रा. द्वारा जारी रिपोर्टों, डेटासेटों तथा प्रकाशनों की पहुंच, खोज क्षमता और उपयोगिता को बढ़ाने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का लाभ उठा रहा है। डेटा की खोज में सुधार और उपयोगकर्ता के साथ बेहतर अंत:क्रिया के लिए *ईसांख्यिकी* पोर्टल में एआई को एकीकृत किया जा रहा है और एआई-सक्षम चैटबॉट को सां. और कार्य. कार्यां. मंत्रा. की संशोधित वेबसाइट पर होस्ट किया गया है। तथापि, एआई-सक्षम उपकरणों के पूर्ण कार्यान्वयन के लिए कोई विशिष्ट समयसीमा तय नहीं की गई है।

*****